Introduction of Indian Economy

Economics
अर्थशास्त्र

अर्थ + शास्त्र

अर्थ → धन

शास्त्र → अध्ययन

- धन का अध्ययन ही अर्थशास्त्र है।
  Study of money is called economics.

- अर्थशास्त्र भारत के तक्षशिला विश्वविद्यालय के आचार्य चाणक्य द्वारा लिखित ग्रंथ है।

Note ⇒ चाणक्य का अर्थशास्त्र था उसमें राज्य के सप्तसप्तांग (राजा के सात चीजों) के बारे में वर्णन किया गया था। जिनमें से एक राजा का कोश (पैसा या धन) भी था।

Economics
↓
Oikonomia - (ओकोनोमिया)

- ओकोनोमिया यूनानी (Greek) भाषा का शब्द है। जिसका अर्थ है कि

घर का प्रबंधन (House hold Management) या
संसाधनो का प्रबंधन (Management of resources.)

Note- अर्थशास्त्र हमें बताता है कि आप संसाधनों का प्रबंधन किस तरह से करे कि ज्यादा से ज्यादा लोगों के इच्छाओं को ~~Saty~~ Satisfy करें।

- अर्थशास्त्र क्या है ?

Resources का Management ही Economics है।

- 1776 में एक Book लिखि गयी Adam Smith द्वारा "The wealth of Nations" (राज्यों का सम्पदा)

▶ 1776 में पहली बार Adam Smith ने एक पुस्तक लिखि "The wealth of Nations" इस पुस्तक में इन्होने पूंजीवादी (Capitalistic) अर्थव्यवस्था के बारे में बताया। तब से अर्थशास्त्र एक Book के रूप में established हो गयी। इसलिए Adam Smith को अर्थशास्त्र का जनक/पिता कहा जाता है।

- Adam Smith - Scotland के थे।

"अर्थशास्त्र धन का विज्ञान है"
Economics is a Science of wealth

Adam Smith

- आधुनिक अर्थशास्त्र का जन्म Adam smith के द्वारा माना जाता है।

- "अर्थशास्त्र चुनाव का विज्ञान है" Robbins

अर्थशास्त्र (Economics) ———— अर्थव्यवस्था (Economy)

- अर्थशास्त्र एक विषय है इसमें कुछ नियम-कानून (सिद्धान्त) दिया गया है। इस नियम-कानून को किसी भौगोलिक क्षेत्र में लागू करने को अर्थव्यवस्था कहते है।

अर्थव्यवस्था [Economy] ⇒ अर्थशास्त्र के किसी क्षेत्र विशेष में सक्रिय रूप को उस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था कहते है।

जैसे -: चीन की अर्थव्यवस्था -

भारत की अर्थव्यवस्था -

⇒ **अर्थशास्त्र की शाखाएँ [Branches of Economics]**

Ragner Frisch के अनुसार दो प्रकार के (1953)

(i) Micro Economics [व्यष्टि अर्थशास्त्र]

(ii) Macro Economics (समष्टि अर्थशास्त्र)

- **व्यष्टि अर्थशास्त्र** ⇒ इसके अन्तर्गत व्यक्तियों एवं व्यक्तियों के छोटे समूह की आर्थिक क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है।

• (Macro Economics) समष्टि अर्थशास्त्र ⇒ इसमें सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था का एक इकाई के रूप में अध्ययन करना समष्टि अर्थशास्त्र के अन्दर आता है।

Ex. = राष्ट्रीय आय, बेरोजगारी,

⇒ व्यष्टि अर्थशास्त्र मूल्य के सिद्धान्त से सम्बंधित है।

⇒ व्यष्टि अर्थशास्त्र के पिता Adam Smith को कहा जाता है।

⇒ समष्टि अर्थशास्त्र के पिता J.M. Keyns को कहा जाता है।

⇒ व्यष्टि और समष्टि शब्दों का प्रयोग सबसे पहले Ragner Frish ने किया।

⇒ 1969 में Ragner Frish को नोबेल पुरस्कार अर्थशास्त्र के क्षेत्र में दिया गया। इन्हे पहली बार दिया गया अर्थशास्त्र में।

4/Jun/2021

CLASS- 2

••• अर्थव्यवस्था के प्रकार [Types of Economy] •••

(i) नियंत्रण के आधार पर अर्थव्यवस्था के प्रकार
Types of economy based on Control.

(ii) विदेशी सम्बन्धो के आधार पर अर्थव्यवस्था के प्रकार
Types of economy on the basis of foreign Relations.

(iii) विकास के आधार पर अर्थव्यवस्था के प्रकार
Types of economy on the basis of development.

• नियंत्रण के आधार पर अर्थव्यवस्था के प्रकार

⇒ Production (उत्पादन)
↳ Goods / Services

समस्या ⇒

(i) क्या उत्पादन किया जाए।
(ii) कैसे उत्पादन किया जाए।
(iii) उत्पादन किसके लिए किया जाए।

★(A) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था / बाजार अर्थव्यवस्था ⇒
Capitalist Economy / Market Economy

• पूँजीवादी अर्थव्यवस्था ऐसी प्रणाली है जिसमें उत्पादन के

संसाधनों पर निजी क्षेत्र का नियंत्रण होता है।

- यहाँ सरकार की कोई भूमिका नहीं होती है।
- यहाँ उत्पाद केवल अधिकतम लाभ के उद्देश्य से किया जाता है।
- पूँजीवादी अर्थव्यवस्था का उद्गम Adam Smith के विचारों से हुआ है।

- मूल्य निर्धारण (Price determination) बाजार तंत्र पर निर्भर करता है, और बाजार तंत्र मांग एवं आपूर्ति (Demand & Supply) पर निर्भर करता है।

जैसे - USA, Canada, Australia, U.K., Singapur

★ (B) समाजवादी अर्थव्यवस्था / राज्य अर्थव्यवस्था ⇒
Socialist Economy / State Economy

- समाजवादी अर्थव्यवस्था ऐसी आर्थिक प्रणाली है जिसमें उत्पादन के साधनों पर सरकारी क्षेत्र का नियंत्रण होता है।
- इसमें उत्पादन समाज के कल्याण के उद्देश्य से किया जाता है।
- समाजवादी अर्थव्यवस्था का उद्गम कार्ल मार्क्स के विचारों से पूँजीवादी अर्थव्यवस्था के विरोध में हुआ है।

जैसे - रूस, उत्तर कोरिया

★ **साम्यवादी अर्थव्यवस्था** ⇒ साम्यवादी अर्थव्यवस्था में भी सब कुछ सरकार के नियंत्रण में होता है।

जैसे - China

Note :- समाजवादी अर्थव्यवस्था में हम अपने श्रम के खुद मालीक होते है लेकिन साम्यवादी अर्थव्यवस्था में सरकार के अनुसार श्रम किया जाता है।

(C) मिश्रित अर्थव्यवस्था [Mixed Economy] →

* मिश्रित अर्थव्यवस्था में पूँजीवादी अर्थव्यवस्था तथा समाजवादी अर्थव्यवस्था दोनों की विशेषताएँ पायी जाती है।
* मिश्रित अर्थव्यवस्था का विचार अर्थशास्त्री J.M. Keyns द्वारा दिया गया। इन्होनें अपनी एक पुस्तक लिखि 1936 में "The general theory of unemployment interest and money" इस पुस्तक में इन्होने मिश्रित अर्थव्यवस्था का उल्लेख किया।
* मिश्रित अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रियाओं पर निजी क्षेत्र का नियंत्रण होता है लेकिन सामाजिक कल्याण के उद्देश्य से सरकार भी हस्तक्षेप करती है।

Ex. - भारत

☆

Capitalist Economy	Socialist Economy	Mixed Economy
→ Private Sector निजी क्षेत्र	→ Government Sector सार्वजनिक क्षेत्र	→ Private + Gove.
यहाँ केवल लाभ (Profit) के लिए काम होता है	→ सार्वजनिक कल्याण (Public welfare) के लिए काम होता है	यहा दोनो के लिए काम होताहै

यहाँ मूल्य निर्धारित → (Price determined) बाजार तंत्र करता है।	यहाँ मूल्य निर्धारित → सरकार करती है	यहाँ मूल्य निर्धारित स्थिति के अनुसार दोनों Sector करता है।
Adam Smith	Karl Marx	J.M. Keyns

* **विदेशी सम्बंधों के आधार पर** ⇒ यह दो प्रकार की होती है।

(i) Open Economy [खुली अर्थव्यवस्था]

(ii) Closed Economy [बन्द अर्थव्यवस्था]

(i) **खुली अर्थव्यवस्था** ⇒ ऐसी अर्थव्यवस्था जिसकी दूसरी अर्थव्यवस्थाओं ~~के~~ ~~साथ~~ साथ आर्थिक सम्बन्ध होता है खुली अर्थव्यवस्था कहलाती है।

* Import - Export

Foreign investment को स्वीकार करती है।

Eg = विश्व के अधिकांश देश

(ii) **बन्द अर्थव्यवस्था** ⇒ ऐसी अर्थव्यवस्था जिसका दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के साथ कोई आर्थिक सम्बन्ध नहीं होता है बन्द अर्थव्यवस्था कहलाती है।

* Import - Export बन्द होता है।
Foreign investment को स्वीकार नहीं करती है।

Eg= उत्तर कोरिया

* <u>विकास के आधार पर</u> ⇒ ये तीन प्रकार की होती है।

(i) <u>विकसित अर्थव्यवस्था [Developed Economy]</u> ⇒

प्राकृतिक संसाधन [प्रकृति द्वारा विकसित - नदियाँ, झीलें]
भौतिक संसाधन [खनिज]
मानवीय संसाधन [मानव द्वारा विकसित अर्थव्यवस्था - Hospital]

Eg= USA, Canada, Singapore, France, Britain
विकशित देश है।

(ii) <u>विकासशील अर्थव्यवस्था [Developing Economy]</u> ⇒

प्राथमिक क्षेत्र - ~~क्षे~~ कृषि
द्वितीयक क्षेत्र - उद्योग
तृतीयक क्षेत्र - सेवा

⇒ किसी देश की GDP में कृषि क्षेत्र का योगदान कम हो रहा है तो वह विकासशील से विकसित की ओर बढ़ रहा है।

⇒ जब प्राथमिक क्षेत्र का योगदान कम होगा तभी हमारे द्वितीय या तृतीयक क्षेत्र का योगदान बढ़ेगा।

AI DUAL CAMERA

Eg = India, Afganistan, Pakistan

(iii) <u>अल्प विकसित अर्थव्यवस्था</u> ⟹

प्रकृतिक संसाधन
भौतिक संसाधन → इन तीनों में से कोई एक भी पूर्ण रूप से न हो।
मानवीय संसाधन

Eg = युगांडा, सोमालिया, माले, जिबूती, Maximum African Countries.

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र [Sectors of Economy]

भारतीय अर्थव्यवस्था को मुख्य रूप से तीन भागों में वर्गीकृत किया जाता है।

(i) प्राथमिक क्षेत्र [Primary Sector]
(ii) द्वितीयक क्षेत्र [Secondary Sector]
(iii) तृतीयक क्षेत्र [Tertiary Sector]

* GDP = Gross Domestic Product
  सकल घरेलू उत्पाद

Note - देश की सीमा के अन्दर जितनी भी 1 साल के अन्दर जितनी भी वस्तु एवं सेवाएं उत्पादित Monetary Value ही GDP कहलाती है।

(i) प्राथमिक क्षेत्र / कृषि क्षेत्र ⇒
Primary / Agriculture Sector

* GDP में योगदान = 17 %
* संलग्न कार्यबल = 51 %

⇒ प्राथमिक क्षेत्र वह क्षेत्र है जिसके अन्तर्गत अर्थव्यवस्था के प्राकृतिक संसाधनों का लेखांकन (Accounting) किया जाता है।

⇒ प्राथमिक क्षेत्र द्वितीयक क्षेत्र के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराता है।

Ex → कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र, वानिकी क्षेत्र, पशुपालन, डेरी, खनन, उत्खनन आदि।

(ii) **द्वितीयक / औद्योगिक क्षेत्र** ⇒

Secondary / Industrial Sector इसे हम विनिर्माण क्षेत्र [Manufacturing sector] के नाम से भी जानते है।

* GDP में योगदान – 29%
* संलग्न कार्यबल – 22%

⇒ वह क्षेत्र जो प्राथमिक क्षेत्र के उत्पादों का प्रयोग कच्चें माल के रूप में करता है द्वितीयक क्षेत्र कहलाता है।

Ex :-

① Milk — Plant — Milk Prodect

Milk: Primary Sector; Plant — Milk Prodect: Secondary Sector

② Cotton — Factory — Cloths

Cotton: Pri. Sector; Factory — Cloths: Secondary Sector

③ SugarCane — Factory — Sugar

SugarCane: P.; Factory — Sugar: S.

④ Petroleum — Petrol, Diesel

Petroleum: P.; Petrol, Diesel: S.

⇒ निर्माण [Construction] किसी भी परिसंपत्ति का निर्माण होगा – रेलवे, पुल, स्कूल आदि।

(ii) विनिर्माण [Manufacturing] = जहाँ किसी वस्तु का निर्माण होता है। - ब्रेड, चीनी, कपड़े, कार, विद्युत, गैस आपुर्ति, जल आपूर्ति आदि।

(iii) तृतीयक क्षेत्र / सेवा क्षेत्र ⇒

* GDP में योगदान - 54%
* संलग्न कार्यबल - 27%

* सर्वाधिक योगदान GDP में तृतीयक क्षेत्र का है।

⇒ तृतीयक क्षेत्र प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्र को जोड़ने का काम करता है और इसको अपनी सेवा [Service] उपलब्ध कराता है।

Ex = परिवाहन, संचार बैंकिंग, बीमा, व्यापार, शिक्षा, होटल आदि।

Q = इसमें से कौन-सा तृतीयक क्षेत्र में नहीं आता है -

✓ (a) पशुपालन
(b) बैंकिंग
(c) परिवाहन
(d) संचार

* मुद्रास्फीति [Inflation] (महंगाई)

किसी अर्थव्यवस्था में वस्तुओं एवं सेवाओं के किमत स्तर मे होने वाली लगातार वृद्धि को मुद्रास्फीति कहते है।

Note - ① मुद्रास्फीति के समय वस्तु एवं सेवाओ की किमत बढ़ती है।
② तथा मुद्रा की क्रयशक्ति कम होती है
③ मुद्रास्फीति के समय मुद्रा की आपूर्ति बढ़ जाती है।

Note - 3 Conditions

① Demand = Supply = Normal Condition (आदर्श स्थिति)
② Demand > Supply = Inflation [मुद्रास्फीति)
③ Demand < Supply = Diflation [अपस्फीति (मन्दी]

* Types of Inflation

1) Demand pull Inflation [मांग जनित मुद्रास्फीति]
2) Cost Push Inflation [लागत प्रेरित मुद्रास्फीति]

* मांग जनित मुद्रास्फीति → मांग जनित मुद्रास्फीति तब उत्पन होती है जब अर्थव्यवस्था की कुल मॉग कुल आपूर्ति से ज्यादा हो।

* ऐसा तब होता है जब मुद्रा की अपूर्ति बढ़ती है।

* <u>लागत प्रेरित मुद्रास्फीति</u> ⇒

बस्तु एवं सेवाओ की लागत में वृद्धि होने के परिणाम स्वरूप वस्तु एवं सेवाओं के किमत स्तर में होने वाली वृद्धि को लागत प्रेरित मुद्रास्फीति कहते है।

11/6/2021

CLASS - 6

→ गति के आधार पर मुद्रास्फीति के प्रकार :-

1) रेंगती हुई मुद्रास्फीति Creeping - Inflation ⇒ [1% to 5% Inflation] यह अर्थव्यवस्था के लिए लाभ दायक होती है।

2) चलती हुई मुद्रास्फीति [Walking Inflation] ⇒ [5% to 10% Inflation]

जब सामान्य कीमत में 5-10% वार्षिक वृद्धि हो जाती है तो इसे चलती हुई मुद्रास्फीति कहते है।

3) दौड़ती हुई मुद्रास्फीति [Galloping Inflation] ⇒ जब मुद्रास्फीति की दर 10 से 99% वार्षिक वृद्धि हो, 2 अंकों में हो।

4) कूदती हुई मुद्रास्फीति / अतिस्फीति [Hyper Inflation] ⇒ जब महगाई की वार्षिक दर - 3 अंक या इससे अधिक हो - जब यह किसी देश में आती ~~अ~~ है तो अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर देती है।

मुद्रास्फीति के प्रभाव [Effects of Inflation] =

* 1] लाभ पक्ष [Profit class]

(i) ऋणी [Debtors] (देनदार)
(ii) कृषक [Farmer]
(iii) उत्पादक [Producer]
(iv) व्यापारी [Businessman]

* 2] हानि पक्ष [Loss Class] =

(i) ऋणदाता [Creditor] (उधार देने वाला)
(ii) उपभोगता [Consumer)
(iii) निश्चित आय वर्ग [Fixed income group]
(सरकारी कर्मचारी) - teacher, Bank, पेंशन भोगी आदि)
(iv) बचत पर [Saving]
(नकारात्मक प्रभाव) ~~बच~~ बचत नहीं होती है

Note - ① Tax (कर) - जैसे ही महंगाई बढ़ती है करों में वृद्धि होती है।

② Investment (निवेश) ⇒ ① अगर आप सरकारी प्रतिभूतियो में निवेश कर रहे हो तो हमेशा ~~धन~~ मुद्रास्फीति के समय हानि में रहोगे।

(2) अगर आप संयुक्त पूँजी (निजी क्षेत्र) में निवेश कर रहे हैं तो हमेशा लाभ में रहेंगे।

*** फिलिप्स वक्र [Phillips Curve] ⇒** यह बेरोजगारी और मुद्रास्फीति में सम्बन्ध दर्शाता है - यह उलटा (inverse) क्रम में सम्बन्ध को प्रदर्शित करता है।

⇒ महंगाई (मुद्रास्फीति) की दर अधिक होगी बेरोजगारी की दर उतनी कम होगी।

⇒ मुद्रास्फीति की दर कम होगी बेरोजगारी की दर अधिक होगी

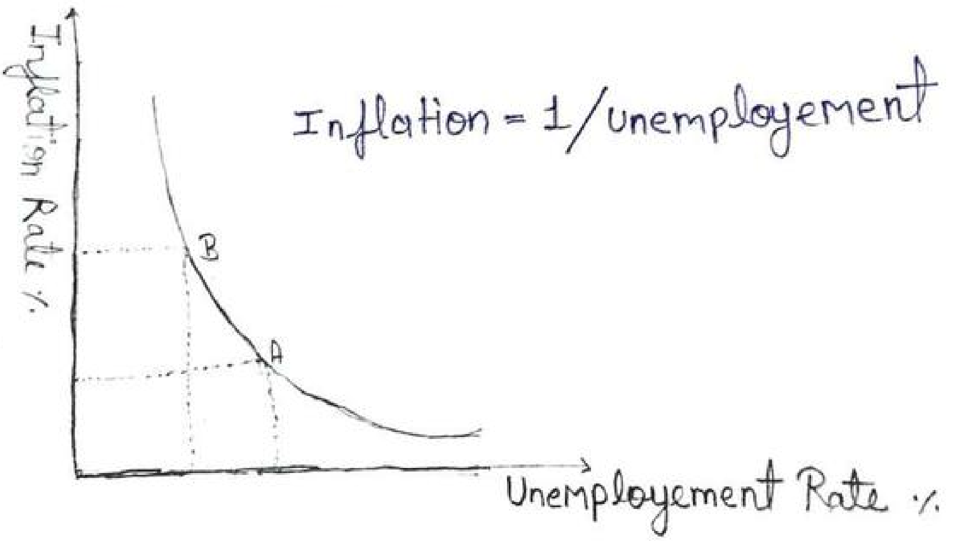

*** मुद्राअपस्फीति [Deflation] (मंदी) =**

→ वस्तु एवं सेवाओं की किमत में लगातार कमी।

→ वस्तु एवं सेवा की किमत कम होगी।

→ मुद्रा की क्रय शक्ति में वृद्धि होगी।

→ मुद्रा की आपूर्ति में कमी होगी।

* मुद्रास्फीति जनित मंदी/स्फीति गतिरोध [Stagflation] =

अर्थव्यवस्था की ऐसी स्थिति जिसमें मुद्रास्फीति की दर तथा बेरोजगारी की दर उच्च हो Stagflation कहलाती है।

* Unemployment Rate high + Inflation Rate high = Stagflation

* मुद्रास्फीति का मापन =

v.Imp

WPI

Wholesale Price Index

थोक मूल सूचकांक

CPI

Consumer Price Index

उपभोगता मुल्य सूचकांक

* भारत में मुद्रास्फीति मापन के लिए थोक मूल सूचकांक का प्रयोग (ज्यादा) होता है। इसका Base year - 2011 - 2012 है।

* Apr. 2014 में - RBI ने महगाई के मापन के लिए उपभोगता मुल्य सूचकांक को स्वीकार किया। Base year - 2012

14/6/2021 CLASS-6

Banking System in India

* Bank – अधिकोष

* Bank Italian language का एक word Banco से निकला जिसका अर्थ Banch होता है।

Bank :- बैंक एक ऐसी संस्था है जो ग्राहकों का जमा स्वीकार करती है तथा जरूरत पड़ने पर अग्रिम ऋण उपलब्ध कराती है।

Bank

संगठित क्षेत्र
- इसमें RBI का नियंत्रण होता है।
- इसमें वाणिज्यक बैंक आते है

आसंगठित क्षेत्र

जिनपर RBI का नियंत्रण नहीं होता।

जैसे – साहूकार, महाजन

Banking History :- आधुनिक बैंकिंग का प्रारम्भ इटली से माना जाता है 1157 में पहला बैंक इटली में खोला – 'Bank of Venice' यह विश्व का प्रथम बैंक था।

* 2nd Bank - 1401 में Bank of Barcelona यह Spain में खुला /

भारत में बैंकिंग का इतिहास :-

भारत में खोले जाना वाला पहल बैंक 1770 में Bank of Hindustan था /
इसकी स्थापना एलेक्जेंडर एण्ड कम्पनी द्वारा हुआ / यह इस्ट इंडिया कम्पनी की एक सहयोगी कंपनी थी / यह 1831 - 32 में समाप्त हो गया /

Precidency Bank :

1) Bank of Bengal — 1806
2) Bank of Bombay - 1840
3) Bank of Madras - 1843

— इन्हे प्रेसिडेंसी बैंक कहा जाता था /

⇒ इन तीनों Precidency Bank को मिला कर - 27 जनवरी 1921 में इम्पिरियल बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना की गई /

⇒ 1 July 1955 में Imperial Bank of India का राष्ट्रीयकरण करके State Bank of India की स्थापना की गयी /

⇒ SBI भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक (सरकारी) क्षेत्र (public Sector) है /

राष्ट्रीयकरण [Nationalization] :- किसी भी Private Company (निजी क्षेत्र) का Government (सरकारी) हो जाना राष्ट्रीयकरण कहलाता है।

⇒ **1881 - अवध कमर्शियल बैंक :-**

Faizabad - यह भारतीयों के प्रबंधन (Managment) में संचालित प्रथम बैंक था

⇒ **1894 - Punjab National Bank (PNB) :-** यह भारतीयों द्वारा स्थापित एवं संचालित होने वाला प्रथम बैंक था इसका Headquater लाहौर में था, इसके संस्थापक - लाला लाजपतराय थे।

⇒ **1911 - Central Bank of India (CBI)** इसे भारत का पहला पूर्ण स्वदेशी बैंक कहा जाता है।

* **RBI - Act - 1934 :-** के आधार पर RBI की स्थापना 1 April - 1935 को हुआ।

* RBI का राष्ट्रीयकरण 1 Jan 1949 को कर दिया गया।

* **बैंकों का राष्ट्रीयकरण :-**

1st - राष्ट्रीयकरण RBI का हुआ 1 Jan 1949 को। इसे

* ~~वर्तमान में~~ राष्ट्रीयकरण की list में नहीं रखा गया क्योंकि यह केन्द्रीय बैंक है।

* ~~दुसरा~~ दुसरा राष्ट्रीयकरण SBI का 1 July 1955 मे हुआ यह पहले से सरकार द्वारा संचालित था।

Q. SBI को मिला कर वर्तमान मे राष्ट्रीकृत बैंक की संख्या ⇒ 12 है।

Q2 - वर्तमान में राष्ट्रीकृत बैंकों की संख्या – 11 है।

⇒ भारत में बैंकों का राष्ट्रीयकरण दो चरणों में हुआ।

1) 19 July 1969 में 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया जिनकी पूँजी 50 करोड़ से अधिक थी।
यह 4th या 5th पंचवर्षीय योजना थी PM इन्दिरा गाँधी थी।

2) 15 April 1980 में 6 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया जिनकी पूँजी 200 करोड़ से अधिक थी। PM- इन्दिरा गाँधी

1980 में कुल राष्ट्रीयकरण बैंकों की संख्या 20 है।

15/6/2021 CLASS-7

⇒ 1993 में New bank of India का विलय PNB में होगा।
अब (20-1=19) 19 राष्ट्रीयकृत बैंक थे / 1993 से
1 April 2017 से पहले /

⇒ 1 April 2017 से पहले Public Sector Bank - की संख्या - 27 थे

19 Nationalized + 1 SBI + 5 Associate of SBI + 1 BMB (भारतीय महिला बैंक) + 1 IDBI [Industrial Development Bank of India] = 27

⇒ 1 April 2017 Bank की संख्या - 18

- Dena Bank
- Vijya Ban

विलय → Bank of Baroda

- BMB
- 5 SBI के सहायक

विलय → SBI

| 27 - 8 = 19 |

- IDBI के 50% शेयर LIC ने Purchase कर लिये /

| 19 - 1 = 18 |

⇒ 1 April - 2020 Bank की संख्या - 12

1) Oriental Bank of Commerce — विलय → PNB
2) United Bank — (विलय) → PNB

3) Syndicate Bank — विलय → Canara Bank

4) Andhra Bank — विलय → Union Bank of India
5) Corporation Bank — (विलय) → Union Bank of India

6) Allhabad Bank — विलय → Indian Bank

सरकारी बैंक - 2017 — 18
− 6
12 ⇒ Present Public Sector Bank

⇒ राष्ट्रीयकृत बैंक कुल SBI को मिला कर 12 है।
SBI को हटा कर 11 है।

RBI = Reserve Bank of India.

* यह देश का केन्द्रीय बैंक है - Central Bank of the Country.
* RBI बैंक की स्थापना "Hilton young Commission" [Royal Commission] की सिफारिस पर हुई थी।

* RBI की स्थापना RBI-Act-1934 के आधार पर 1 April-1935 में हुई थी।

* इसकी प्रा० अधिकृत पूँजी 5 करोड़ रु लगाकर शुरु किया गया थे 5 करोड़ रु भी 100 रु के 5 लाख शेयर के रूप में विभाजित थे।

⇒ Fedral Reserve System - USA का बैंक

State Bank of Pakistan — Pakistan का बैंक

Peoples Bank of china — China का बैंक

⇒ RBI का Headquarter — 1935 से 1937 तक Kolkata था।

⇒ 1937 से अबतक RBI का Headquarter Bombay में है।

⇒ 1 Jan-1949 में RBI का राष्ट्रीयकरण करके Pvt. से Govt. बना दिया।

⇒ Banking Regulating Act-1949 के द्वारा RBI को बैंकों पर नियंत्रण करने के लिए शक्तियां प्रदान की गयी।

⇒ Financial year of RBI — 1 July to 30 June

⇒ RBI के 4 Local Boards (स्थानीय बोर्ड) है।

1) Mumbai — West India

2) Kolkata — East India

3) Delhi — North India

4) Chennai — South India

* RBI - Governor :-

1st — Sir Osborne Smith - 1935 to 1937

2nd - James Taylor — 1937 to 1943

3rd - C.D. Deshmukh — 1943 to 1949

↳ यह RBI के प्रथम भारतीय गवर्नर थे।

Present Governor of RBI - Shaktikanta Das

* RBI का प्रबंधन केन्द्रीय निदेशक मण्डल द्वारा किया जाता है।
कुल - 21 सदस्य होते है।

1) RBI के Governor - Shaktikanta Das.

2) 4 Deputy - Governor - 1) T. Ravi Sankar

2) Mahesh Kumar Jain

3) Dr. B. M. D. Patra

2) M. Rajeswar Raw

3) 2 Finance Ministry Representative.

3) 10 Government nominated Directors.

4) 4 Local Board Directors.

16/6/2021 CLASS-8

Function of RBI

1) नोट जारी करना [Issuer of Currency Notes] :-

⇒ एक रु० (1 रु.) का नोट + सभी सिक्के को छोड़ कर सभी नोट RBI द्वारा जारी किये जाते है।

⇒ 1 रु. से बड़े सभी नोट पर RBI Governor के हस्ताक्षर होते है।

⇒ 1 रु. का नोट + सभी सिक्के वित्त मंत्रालय जारी करता है। और इन पर वित्त सचिव के हस्ताक्षर होते है।

* वर्तमान में हमारे वित्त सचिव – T.V. सोमनाथन

⇒ परिचालन के योग्य न रहने पर करेंसी को नष्ट करना :-

RBI मुद्रा जारी करने के लिए Minimum Reserve System (न्यूनतम आरक्षित प्रणाली) अपनाता है। इसके तहत RBI 200 करोड़ जमा रखता है 200 करोड़ में से RBI 115 करोड़ का Gold रखता है और 85 करोड़ विदेशी मुद्रा रखता है।

नोट जारी करना

2) सरकार के बैंक के रूप में [Banker to Government] :-

- सरकार को ऋण उधार देना
- सरकार को सलाह देना
- अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान - इनमें सरकार का प्रतिनिधित्व करता है।

अन्तर्राष्ट्री वित्त संस्थान — IMF, World bank

3) बैंकों का बैंक [Bankers to Bank] :-

- बैंको को licence जारी करना
- ऋण उपलब्ध कराना
- बैंको पर नियंत्रण करना

4) विदेशी विनिमय का नियंत्रण [Controlar of Foreign Exchange]

विदेशी मुद्रा भंडार का नियंत्रण
रूपये की विनिमय दर पर नियंत्रण

5) मौद्रिक नीति बनाना [Formulat monetary Policy]

6) आंकड़ो का संकलन तथा प्रकाशन

✱ मौद्रिक नीति [Monetary Policy] :— मौद्रिक नीति वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा अर्थ व्यवस्था में मुद्रा की आपूर्ति [Money Supply] को नियंत्रित किया जाता है।

⇒ RBI की MPC [Monetary Policy Committee] मौद्रिक नीति बनाती है। इसमें कुल 6 सदस्य होते है जिनमें से 3 सदस्य सरकार द्वारा नामित होते है और 3 RBI की तरफ से होते है।

⇒ RBI गवर्नर MPC - Commity का Chairperson होता है।

⇒ MPC प्रत्येक 2 माह बाद, मौद्रिक नीति की समीक्षा करती है।

⇒ कम से कम साल में 4 बार होनी चाहिए।

उद्देश्य (objective) :-

1) वित्तीय स्थिरता बनी रहे [Financial stability]

2) Inflation deflation न हो

3) Growth and Development होना चाहिए

Q. मौद्रिक नीति कौन बनाता है ?

(a) RBI ✓
(b) Finance ministary
(c) Indian Government
(d) Not

मौद्रिक नीति के उपकरण :-

(i) Bank Rate - 4% Present

(ii) बैंक दर वो दर होती है जिस पर RBI Commercial Bank को लंबे समय तक नकद उधार देती है। और बिना प्रतिभूति (Security) के उधार देती

2) Repo Rate – 4% Present

Repo दर वह दर है जिसे RBI बैंकों short term (Max – 15 days) के लिए बैंको को ऋण देता है।

18/6/2021 CLASS-9

Monetary Policy

1) Bank Rate – Bank Rate वह Rate है जिस पर RBI बैंकों को ऋण उपलब्ध कराता है। long term

2) Repo Rate – ~~वह बैंक~~ RBI बैंकों को पैसे उधार देता है Commercial Bank को Short Term के लिए Max–15 days.

3) Reverse Repo Rate – (3.35% Present)

Reverse Repo Rate वह Rate होती है जिसमें Comercial Bank अपना पैसा RBI के पास

जमा कराती है।

4) CRR - Cash Reserve Ratio. [नकद आरक्षित अनुपात]

~~R~~ Present Rate – 4%

→ नकद आरक्षित अनुपात वह राशि है जो बैंकों को ऋण देने से पहले ~~अपने पास~~ RBI के पास नकदी के रूप में बनाये रखना आवश्यक होता है।

→ यह पैसा ~~अब~~ बैंक दिवालिया होने से बचाये जाते है

→ पहले 1 लाख वापस होते थे अब 5 लाख वापस मिलते है।

SLR – (Statutary Liqudity Ratio) – वैधानिक तरलता अनुपात :–

SLR वह राशि है जिसे बैंकों को ऋण देने से पहले अपनी कुल जमा का एक अनुपात, स्वर्ण, नकद या सरकारी प्रतिभूति के रूप में अपने पास बनाये रखना अवश्यक है। (Present Rate – 18%)

MSF [Marginal Standing Facility] सीमांत स्थाई सुविधा :–

~~Re~~ Present Rate – 4.25%

एक रात के लिए बैंक पैसा बैंक RBI से पैसा उधार लेते है उसे MSF कहते है।

1) NABARD – National Bank for Agriculture and Rural Development [राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक]

⇒ यह कृषि एवं ग्रमीण विकास के लिए वित्त उपलब्ध कराने वाली शिर्ष संस्था है।

⇒ नाबार्ड की स्थापना सिवराम समीति की सिफारिस पर 12 July - 1982 को हुई। इसका मुख्यालय - Bombay में है।

2) RRB [Regional Rural Bank] क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक

RRB की स्थापना - RRB Act · 1976 के तहत ग्रामीण क्षेत्र में पर्याप्त बैंकिंग सुविधा उपलब्ध करने के लिए हुई थी।

→ 1st RRB (प्रथमा बैंक) मुरादाबाद U.P. में खोला गया इनकी अधिकतम सख्या 1980 में 196 के आस-पास थी। Present में RRB की सख्या – 43 है

Ownership- तीन लोग मिलकर RRB open करते है।

1) केन्द्रसरकार – (50% पैसा लगाती है)
2) राज्य सरकार – (15% पैसा लगाती है)
3) प्रायोजक बैंक – (35% पैसा लगाती है)

⇒ RRB खोले जाने का Licence RBI देती है और Control NABARD होता है।

Other Important Fact :-

नोटबन्दी :- भारत में अब तक 3 बार हुई है।

1) 12 August - 1946 में 500, 1000, 10000 के नोट बन्द किये गयें।

2) 16 Jan - 1978 में 1000, 5000, 10000 के नोट, PM- मोरारजी देशाई की सरकार में बन्द हुऐ थे।

3) 8 Nove - 2016 में 500, 1000. के नोट PM- नरेन्द्र मोदी की सरकार में हुई।

* मुद्रा का अवमूल्यन - [Devaluation of Currency]

1947 में 1 रु की किमत = 1 $ थी
2021 में 1 $ = 73 रु की है।] Somthing

⇒ सरकार द्वारा जानबूझ कर अपने देश की मुद्रा को किसी दूसरे देश की मुद्रा के सापेक्ष में कम करना।

उद्देश्य = आयात में कमी करना, और निर्यात को बढ़ावा देना।

भारत में विमुद्रीकरण

1st — 1949 में - जवाहर लाल नेहरू की सरकार में
2nd - 1966 में — लाल बहादुर शास्त्री की सरकार में
3rd — 1991 में — सी. बी. चन्द्रशेखर की सरकार में

CLASS- 10

26/6/2021

National Income

-: राष्ट्रीय आय :-

National Income → 4 Concept

1) GDP ⇒ Gross Domestic Product - सकल घरेलू उत्पाद
2) NDP ⇒ Net Domestic Product - शुद्ध घरेलू उत्पाद
3) GNP ⇒ Gross National Product - सकल राष्ट्रीय उत्पाद
4) NNP ⇒ Net National Product - शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद

Production (Final) अंतिम उत्पाद :-

वित्तीय वर्ष [Financial Year] - (1 वर्ष का समय)

⇒ यह 1 April से 31 March तक

घरेलू सीमा (Domestic Boarder) :-

G.D.P. - Gross Domestic Product - सकल घरेलू उत्पाद

सकल — कुल - Total
घरेलू - देश की सीमा के अन्दर

उत्पाद – Final Production

- good
- Services

⇒ एक देश की घरेलू सीमा में एक वित्तिय वर्ष के दौरान उत्पादित होने वाली अंतिम वस्तु एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को GDP कहते है।

$$GDP = P \times Q$$

P → मूल्य

Q → मात्रा

⇒ GDP किसी देश की अर्थव्यवस्था की Productivity उत्पादक क्षमता के बारे में बताता है।

NDP - Net Domestic Product -

शुद्ध / निवल — ~~Depiei~~ Depreciation [मूल्य ह्रास] (घिसावट)

घरेलू – देश की सीमा के अन्दर

उत्पाद – Final product

NDP = GDP – मूल्यह्रास [Depriciation]

↳ केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय मूल्यह्रास निर्धारित करता है।

GNP – Gross National Product

सकल – कुल Total

राष्ट्रीय – FI (विदेशी आय)

उत्पाद – Final

Foreign income [विदेशी आय]

1) Interest on external loan
2) Remittance – प्रेषण/भेजा हुआ धन
3) External Grants – विदेशी अनुदान

⇒ GNP = GDP + X – M

X → विदेश से अर्जित आय

M → विदेश को जाने वाली आय

⇒ GNP = GDP + FI

CLASS-11 22/6/2021

NNP - Net National Product :-

- Net - शुद्ध - Depriciation
- National - राष्ट्रीय - Foreign Income
  1. External loan
     - interest लेना या देना।
  2. Remittance
  3. External Grants
- Product - Final Product
  - Good
  - Services

⇒ NNP = GDP + FI − Depriciation

NNP = GNP − Depriciation

↳ इसे राष्ट्रीय आय कहा जाता है।

"राष्ट्रीय आय किसी अर्थव्यवस्था द्वारा एक वित्तीय वर्ष में उत्पादित अन्तिम वस्तु एवं सेवाओं का मौद्रीक मुल्य होता है,,

राष्ट्रीय आय में विदेशों से अर्जित शुद्ध आय को शामिल किया जाता है।

NNP :- NNP की गणना दो स्थान पर की जाती है।

1) NNP-MP (Market Price) बाजार मूल्य पर

2) NNP-FC (Factor Cost) कारक लागत पर

Market Price :- जहाँ उपभोगता वस्तुओ को खरिदता है/

Factor Cost :- फैक्ट्री का मूल्य (जहाँ वस्तु बनकर तैयार होती है)

Factor of Production [उत्पादन के कारक] :-

उत्पादन के चार कारक होते है/

1) Land [जमीन] → Rent [किराया]
2) Labour [श्रम] → वेतन [Salary]
3) Capital [पूँजी] → ब्याज [Intense]
4) Entrepreneurship [उद्यमिता] → Profit

* NNP-FC = NNP-mp − Indirect tax + Sub--

↳ यही वास्तविक राष्ट्रीय आय होती है/

PCI-[Per Capital Income] = $\frac{NNP}{Total\ Population}$
प्रति व्यक्ति आय

↳ राष्ट्रीय आय को कुल जनसंख्या से भाग दिया जाता है तो प्रति व्यक्ति आय निकल आती है/

⇒ प्रति व्यक्ति आय को देश की औसत आय भी कहाँ जाता है।

⇒ GDP - GDP की गणना 3 Month और yearly दोनों होता है।

* GDP की गणना दो जगह की जाती है।

(i) Nominal GDP → Current Price पे निकाली जाती है।

(ii) Real GDP → Base year (आधार वर्ष) मान कर की जाती है।

* सर्वप्रथम राष्ट्रीय आय की गणना दादा भाई नौरोजी ने 1867-68 की, इनकी पुस्तक का नाम ~~Poverty on un-British~~ "Poverty and un-British rule in India"

PCI - 20 ₹ थी

* वैज्ञानिक विधि द्वारा सर्वप्रथम राष्ट्रीय आय का मापन — V K.R.V. Rao ने 1931-32 में की।

Q- राष्ट्रीय आय का मापन किस संस्था द्वारा किया जाता है ?

(a) CSO (b) NSO

(c) NSSO (d) RBI

NSO – National Statistics office
[राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय]

CLASS-12

23/6/2021

Economic Planning [आर्थिक नियोजन]

" पूर्व परिभाषित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उपलब्ध संसाधनों का इष्टतम प्रयोग आर्थिक नियोजन कहलाता है।,,

USSR - Russia ने सर्वप्रथम Economic Planning को अपनाया था / - 1928

भारत ने आर्थिक नियोजन की अवधारणा को रूस से लिया है।

Q- आर्थिक नियोजन किसी सूची का विषय है?

(1) राज्य सूची (2) संघ सूची

(3) समवर्ती सूची (4) N.O.T.

History

"The planned Economy for India" 1934 में एम विश्वेश्वरैया द्वारा लिखि गयी Book है/ इस Book पहली बार भारत के लिए नियोजित अर्थव्यवस्था की बात कही गयी /

1938 में कांग्रेस का हरिपुरा अधिवेशन :-

यह 52वाँ अधिवेशन था इसके अध्यक्ष - सुभाष चन्द्र बोस थे इसी अधिवेशन में राष्ट्रीय नियोजन समीति [National Planning Committee] की स्थापना हुई / राष्ट्रीय नियोजन समीति की अध्यक्षता - जवाहर लाल नेहरु ने की /

बॉम्बे प्लान 1944 :-

Bombay के 8 उद्योगपतियों द्वारा बॉम्बे प्लान प्रस्तुत किया - इसकी अध्यक्षता - अर्देशिर दलाल द्वारा की गई /

भारतीय संविधान में आर्थिक नियोजन एवं सामाजिक नियोजन को 7वीं अनुसूची में रखा गया है/

आर्थिक नियोजन समवर्ती सुची का विषय है/

भारत में 1951 से 2017 तक 12 पंचवर्षिय योजना लागू हुई है/

2017 से NDA सरकार ने पंचवर्षिय योजनाओं को बन्द कर दिया /

Planning Commission [योजना आयोग] :-

इसकी (गठन) स्थापना 15 March 1950 को हुआ 'यह गैर संविधानिक निकाय थी [Non Constitutional body] (जिसका उल्लेख कहीं संविधान में ना हो को ही गैर संविधानिक निकाय कहा जाता है।)

→ गैर सविधानिक निकाय एक सलाहकार निकाय था इसका काम पंचवर्षीय योजना बनाना इसका पदेन अध्यक्ष P.M. होता था, इसके प्रथम उपाध्यक्ष गुलजारी लाल नंन्दा थे।

→ स्वतंत्रता दिवस 15 August 2014 में मोदी जी ने घोषणा की योजना आयोग की जगह नीति आयोग की गठन 1 Jan 2015 को की।

नीति आयोग - राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान

NITI - National Institution for Transforming India.

इसके अध्यक्ष - नरेन्द्र मोदी

उपाध्यक्ष - राजीव कुमार

CEO - अमिताभ कांत

NDC :- National Development Council
राष्ट्रीय विकास परिषद

इसकी स्थापना 6 August 1952 में हुई।

अध्यक्ष – PM

'इसका काम था योजना आयोग द्वारा तैयार की गई योजनाओं पर अन्तिम अनुमोदन देना।

⇒ NDC नीति आयोग के सलाहकार के रूप में काम करता है।

CLASS-13 24/6/2021

पंचवर्षीय योजना [Five Year plan]

" कोई भी पंचवर्षीय योजना 1 April को प्रारम्भ होगी और 31 May को समाप्त होगी /,,

⇒ कुल 12 पंचवर्षीय योजना बनायीं गयी है/

1st Five year plan [पहली पंचवर्षीय योजना] :- [1951-1956]

पहली पंचवर्षीय योजना हैरोड डॉमर मॉडल पर आधारित थी इस पंचवर्षीय योजना में कृषि ~~से~~ एवं सिंचाई को प्राथमिकता दी गयी /

⇒ इसका लक्ष्य 2.1% की थी पर प्राप्ती 3.8% हुई / यह एक सफल योजना थी /

प्रमुख कार्य :- (1) IIT- खड़गपुर की स्थापना हुई - 1951

(2) भाखड़ा नंगल बंध परियोजना / और दामोदर घाटी परियोजना (यह भाखड़ा नंगल पंजाब और हिमाचल की सम्मिलित परियोजना है, यह सतलज नदी पर है/ भाखड़ा हिमाचल प्र० में और नंगल पंजाब में है /)

⇒ भाखड़ा विश्व का सबसे गुरुत्वीय बांध है /

→ दामोदर घाटी परियोजना भारत की पहली बहुउद्देश्यीय परियोजना थी। यह west Bengal में स्थापित की गयी है।

→ भाखड़ा नंगल और दामोद घाटी परियोजना को P.M. (जवाहर लाल नेहरू) ने अधुनिक भारत की मंदीर कहा।

→ इसी पंचवर्षीय योजना में USA के सहयोग से 2 Oct 1952 में CDP- Community Development Programe [समुदायिक विकास कार्यक्रम सुरु किया गया। (यह सफल नहीं हुआ)

→ इंट्रीग्रल कोच फैक्ट्री की स्थापना 1955 में हुई।

☆ इंट्रीग्रल कोच फैक्ट्री ने "वंदे भारत एक्सप्रेस को तैयार किया था। वंदे भारत एक्सप्रेस पूर्ण रूप से भारत में बनी प्रथम रेल है। - 2018 में चली

दूसरी पंचवर्षीय योजना [2nd Five Year Plan → 1956 - 1961]

यह P.C. महालनोबिस मोडल पर आधारित थी ~~इसका~~

उद्देश्य - इस योजना में भारी उद्योगों पर बल दिया गया खनिज पर भी ध्यान दिया गया।

→ इसका लक्ष्य 4.5% तथा 4.2% की प्राप्ति हुई यह लगभग सफल योजना थी

→ इस पंचवर्षीय योजना में 3 प्रमुख लौह इस्पात कारखाने स्थापित किये गये

(1) भिलाई (छत्तीसगढ़) रूस की सहायता से

② दुर्गापुर (west Bangal) U.K (Britain) की सहायता से

③ राउरकेला (odisha) जर्मनी की सहायता से

तीसरी पंचवर्षीय योजना [3rd Year Plan] - 1961-66

मॉडल - सुखमय चक्रवर्ति मॉडल

लक्ष्य - 5.6% थी 2.4% प्राप्ति हुई यह इतिहास में सबसे विफल योजना थी।

उद्देश्य - कृषि एवं उद्योग दोनो पर बल दिया गया और अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाया ~~था~~ था।

इस योजना के विफलता के कारण

① भारत - चीन युद्ध - 1962

② भारत - पाक युद्ध - 1965

③ 1965-66 - अकाल पड़ना

प्रमुख ~~कारण~~ कार्य

① 1964 में बोकारो (झारखण्ड) में लौह स्पात के कारखाने स्थापित हुए रूस की सहायता ~~से~~ से।

★ 1962 PM (जवाहर लाल नेहरु थे) उनकी मृत्यु हो गयी, फिर 1964 में गुलजारी लाल नंदा बने इसे बाद 1964-66 के बीच पं. जवाहर लाल नेहरु बने।

1 July 1964 में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक की स्थापना की गयी (यह सार्वजनिक में आता था) इसे 51% शेयर LIC ने खरीद लिया अब RBI (निजी क्षेत्र का) बैंक है।

1965 में FCI (Food Corporation of India) भारतीय खाद्य निगम की स्थापना की गयी

FCI का काम बफर स्टॉक जमा करना (जो अवश्यक चीजे है उसको खरीदना और जमा करना)

1965 में कृषि किमत आयोग की स्थापना की गयी / 1985 में इसका नाम बदल कर कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) Commission for Agriculture Costs and Price. रखा गया। यह MSP (Minimum Support Price) न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करता है (Present में 23 फसल के लिये निर्धारित किया जाता है।

⇒ गन्ने के लिए MSP जारी नहीं होता इसके लिए उचित ~~और~~ एवं लाभ कारी मूल्य निर्धारित किया जाता है।

3rd Five year Plan —— 3 year Gap भारत की आर्थिक स्थिति खराब हो गयी।

* तीन पंचवर्षीय योजना अच्छे से चली इसके बाद 3 साल का Gap आया।

तीन वार्षिक योजना प्रारम्भ किये गये

① 1966 – 67
② 1967 – 68
③ 1968 – 69

– वार्षिक योजना (इस तीन साल के योजना को कुछ अर्थशास्त्रियो ने **योजना अवकाश** [Plan holiday] का नाम दिया/

* योजना अवकाश के समय 1966–67 में भारत में हरित क्रान्ति प्रारम्भ हुई ; भारत में हरित क्रान्ति के पिता – MS स्वामीनाथन /

⇒ विश्व में हरित क्रान्ति के पिता – नार्मन बोरलॉग

CLASS - 14

25/6/2021

चौथी पंचवर्षीय योजना [4th Five year Plan] - 969 to 1974

[PM - इंदिरा गाँधी (1966-1977)]

मॉडल - डी. आर गाडगिल मॉडल।

उद्देश्य - स्थिरता के साथ आर्थिक विकास।

लक्ष्य - 5.5% रखा गया प्राप्त 3.3% था।

★ 19 July 1969 - 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया।

* 1971 में भारत - पाक युद्ध हुआ। और नया देश हुआ बांग्लादेश।

* 18 May 1974 - भारत ने अपना पहला भूमिगत नाभिकीय परिक्षण किया। इसका नाम स्माइलिंग बुद्धा दिया गया यह (पोखरण-राजस्थान) में

पाँचवी पंचवर्षीय योजना [5th Five year Plan] 1974 to 1978

⇒ यह एक मात्र योजना थी जो चार साल तक चली।

मॉडल - डी. पी. धर मांडल पर आधारित थी

उद्देश्य - गरीबी उन्मूलन तथा आत्मनिर्भरता

लक्ष्य - 4.4% था प्राप्त 4.8% हुई

प्रमुख कार्य :-

* 1974 में न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया
* 1975 में RRB (Reginal Rural Bank - क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक) स्थापित किये गये (1st - प्रथमा बैंक - मुरादाबाद में खोला गया)
* 1975 में गरीबी निवारण के लिये 20 सूत्री कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया।
* 1977-78 में काम के बदले अनाज कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया।
* 25 June 1975 में आंतरिक गड़बड़ी के आधार पर आपातकाल लगा दिया।
* गरीबी हटाओ देश बचाओ का नारा इंदिरा गांधी द्वारा इसी पंचवर्षीय योजना में दिया गया।

* 1977 में चुनाव हुए और Congress हार गयी। जनता पार्टी की जीत हुई (आजादी के बाद जनता पार्टी पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार थी)

* P.M – ~~मोरार जी~~ मोराजी देसाई थे। इन्होंने पाचवी पंचवर्षीय योजना को समय से एक वर्ष पूर्व ही समाप्त कर दिया। और नये रूप में 6th (छठी) पंचवर्षीय योजना लायी गयी।

अनवरत योजना [Rolling Plan] 1978 to 1980

यह अनवरत योजना दो साल तक ही चली क्योंकि 1980 में चुनाव हुए और इंदिरा गांधी दूसरी बार सत्ता में आ गयी।

अनवरत योजना का प्रतिपादन गुन्नार ~~मिर्डि~~ मिर्डल द्वारा किया गया ["द एशियन ड्रामा" गुन्नार मिर्डल की Book से Rolling Plan का Concept लिया गया]

* 16 Jan 1978 विमुद्रिकरण प्रथम नोटबंदी, PM मोराजी देसाई।

भारत में अब तक तीन बार विमुद्रिकरण हुई (~~1946- आजादी~~ ① 1946 - आजादी से पहले ② 8 Nov - 2016 मे]

छठी पंचवर्षीय योजना [5th five year Plan] 1980 to 1985

एक मात्र पंचवर्षीय योजना जिसे दो बार लागू किया गया।

उद्देश्य – गरीबी उन्मूलन एवं आर्थिक विकास.

मॉडल - आगत निर्गत मॉडल (Input out Put Model)

लक्ष्य - 5.2% थी प्राप्ति 5.4% यह सफल योजना थी।

प्रमुख कार्य :-

* 15 April -1980 में 6 बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ।
  PM - इन्दिरा गांधी

* कृषि को बढ़ावा देने के लिए -12 July -1982 में NABARD की स्थापना हुई।

* 1982 में Exim Bank (आयात निर्यात बैंक - Import Export Bank) स्थापना हुई।

* 1984 में सिख दंगे हुए

* 31 Oct 1984 में इन्दिरा गांधी के Bodyguard ने इन्दिरा गांधी की हत्या कर दिये इन्दिरा गांधी के दो पुत्र थे संजित गाँधी और राजिव गांधी थे राजीव गाँधी को PM बनाया गया 1984 से 1989 तक PM रहे।

CLASS-15 28/6/2021

Note- 18 May 1974 को भारत ने अपना पहला भूमिगत नाभिकीय परिक्षण किया। इसका नाम स्माइलिंग बुद्ध दिया गया (राजस्थान. पोखरण) यह पाँचवी पंचवर्षीय योजना में आयेगा।

सातवीं पंचवर्षीय योजना [Seventh Five year Plan] 1985 to 1990

प्राथमिकता - सामाजिक एवं आर्थिक असमानताओं को कम करना तथा आधुनिकीय करण, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की स्थापना करना।

लक्ष्य - 5% ~~प्राप्ति~~ थी एवं प्राप्ति 6.1% हुई।

उद्देश्य - इस योजना का प्रमुख उद्देश्य खाद्यान्न, रोजगार तथा उत्पादकता के विकास पर था।

कार्य - 1986 में speed post प्रारम्भ किया गया

-> 1987 में Trifed की स्थापना हुई।

TRIFED - Tribal Cooperative Marketing Development Federation of India Limited.

भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास परिसंघ।

TRIFED का काम - जनजातीय उत्पादो को प्रोत्साहन करना।

→ रोजीरोटी एवं उत्पादकता का नारा 7th Five year plan में दिया गया

⇒ 1988 में SEBI की स्थापना हुई।

SEBE - Securities and Exchange Board of India.
भारतीय प्रतिभूती एवं विनिमय बोर्ड

⇒ वैधानिक शक्ति SEBI -Act -1992 द्वारा प्रदान की गई।
↳ 12 April 1992 में SEBI की स्थापना की गई।

Financial Market - वित्त बाजार (पैसे का लेन-देन)

- पूँजी बाजार (Capital market)
  - ↓ SEBI
  - Long-term (364-Day) से अधिक हो
  - Secondary market (द्वितीयक बाजार)
  - Primary market (प्राथमिक बाजार)
- मुद्रा बाजार (Money market)
  - ↓ ~~SEBI~~ RBI

* प्राथमिक बाजार - यह ऐसा बाजार है जहाँ नए प्रतिभूतियाँ बेची जाती है। IPO - इनिशियल पब्लिक ऑफर (प्राथमिक सार्वजनिक प्रस्ताव)

* द्वितीयक बाजार - इसको Share market या Stock market (प्रतिभूति बाजार) भी कहते है।

भारत में दो प्रमुख शेयर बाजार है।

(1) BSC - Bombay Stock Exchange.
- स्थापना - 1875 (यह एशिया का सबसे पुराना Stock Exchange है)
- Index - Sensex

(2) NSE - National Stock Exchange.
- H/Q - Mumbai
- foundation -
- Index - Nifty - 50

* April 1989 - में जवाहर रोजगार योजना प्रारम्भ की गई ~~रोजगार~~ ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रा० की गयी।

* Oct. 1989 मे नेहरु रोजगार योजना प्रा० की गई शहरों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए।

* 1985 - 86 में इंदिरा आवास योजना प्रा० की गई ग्रामीण क्षेत्रों में घर उपलब्ध कराने के लिए।

* 1986 - 87 में Operation Black Board प्रा० किया गया।

उद्देश्य - प्राथमिक विद्यालयों में न्यूनतम शिक्षण ~~सामग्रा~~ सामग्री उपलब्ध करना - Ex - कुर्सी, मेज, किताब ~~[illegible]~~ Black Board etc.

⇒ [1 April - 1990 to 31 March - 1992] दो वार्षिक योजनाए लायी गयी

(1) 1990 - 1991

(2) 1991 - 92

⇒ 1991 में LPG सुधार (Reforms) हुए इसमें हुई आर्थिक सुधार को - LPG Reforms के नाम से जानते है, इसे राव सिंह सुधार भी कहा जाता है।

- सिंह — Finance Minister - मन मोहन सिंह
- राव — P.M. — P.V. Narasimha Rao

L.P.G. - Liberalisation, Privatisation and Globalisation.

उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण

\# मनमोहन सिंह को भारतीय अर्थव्यवस्था का उदारी करण का अग्रदूत कहा जाता है।

CLASS-16

29/6/2021

वर्ष		P.M.
(1) 1980 – 1984	–	इंदिरा गाँधी
(2) 1984 – 89	–	राजीव गाँधी (21 May 1991 में हत्या हुई)
(3) 1989 - 90	–	विश्वनाथ प्रताप सिंह
(4) 1990 - 91	–	चन्द्रशेखर
(5) 1991 - 96	–	P.V. नरसिम्हा राव
(6) 13 days	–	अटल बिहारी बाजपेयी
(7) 1996 - 1997	–	एच. डी देव गौडा
(8) 1997 - 98	–	इन्द्र कुमार गुजराल
(9) 1998 - 2004	–	अटल बिहारी बाजपेयी
(10) 2004 - 2014	–	मनमोहन सिंह
(11) 2014 – अबतक	–	नरेन्द्र मोदी

आठवीं पंचवर्षीय योजना [Eighth Five year Plan] 1992 – 97

प्राथमिकता – मानव संसाधन विकास
शिक्षा, रोजगार उपलब्ध कराना, स्वास्थ्य पर ध्यान दिया गया।

लक्ष्य – 5.6% था प्राप्ति 6.8% हुआ

कार्य – 15 Augu 1995 – Mid day meal Schame.

→ 1 Jan 1995 में भारत W.T.O [विश्व व्यापार संगठन] का सह संस्थापक सदस्य बना

⇒ 1993 में PMRY [प्रधान मंत्री रोजगार योजना] प्रारम्भ की गयी 10 लाख शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार देना /

नौवीं पंचवर्षीय योजना [Nineth Five Year Plan] 1997 - 2002

मॉडल - आगत निर्गत मॉडल

उद्देश्य - न्याय पूर्ण वितरण एवं समानता के साथ विकास

लक्ष्य - 6.5% था प्राप्ति 5.4%

कार्य - 2 may 1998 में दूसरा परमाणु परीक्षण (शक्ति-198) हुआ इसे पोखरण-2 के नाम से जाना जाता है /

* May to July - 1999 में कारगिल युद्ध - (ऑपरेशन विजय) हुआ /

* 2000 - 2001 में सर्व शिक्षा अभियान चलाया गया /

* 25 Dec 2000 में प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना प्रारम्भ की गयी /

दसवीं पंचवर्षीय योजन [Tenth Five year plan] 2002 - 2007

उद्देश्य - सामाजिक न्याय एवं समता के साथ आर्थिक विकास

मॉडल - व्यापक आगत निर्गत मॉडल

लक्ष्य - 8% था प्राप्ति 7.7% प्राप्ति हुई /

कार्य - GDP में 8% की वार्षिक वृद्धि करना /

⇒ गरीबी को 2007 तक 5% की कमी तथा 2012 तक 15% की कमी करना /

⇒ वनों के क्षेत्रफल को 2007 तक बढ़ाकर 25% करना तथा 2012 तक 33% करना

⇒ लैंगिक अंतराल को 2007 तक 50% कम करना

⇒ 2007 तक साक्षरता दर को बढ़ाकर 75% तक करना

** Feb-2006 में एक अधिनियम पास हुआ - "राष्ट्रीय ग्रामीण ~~रोजगार~~ गारंटी अधिनियम-2005" [NREGA]

NREGA - National Rural Employment Guarantee Act-2005
- 100 दिन का काम (यह आंध्र प्र० के ~~अन~~ अनंतपुर जिले से प्रारम्भ हुआ 2008 में सम्पूर्ण देश में लागू कर दिया गया)

2 oct 2009 में नाम परिवर्तन MGNREGA रखा गया /
- महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम रखा गया /

11वीं पंचवर्षीय योजना [2007-12]

उद्देश्य — तीव्र और अधिक समावेशी विकास [Inclusive]

लक्ष्य — 8.1% की प्राप्ति 8%

कार्य - गरीबी को 2012 तक 15% कम करना / जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर 2001 से 2012 तक 6.2% के ~~क~~ स्तर पर लाना /

* 2012 तक 7 करोड़ नये रोजगार उपलब्ध कराना

12वीं पंचवर्षीय योजना [2012-2015]

उद्देश्य - तीव्र एवं सतत विकास [Sustainable development] को आधार मान कर विकास करेंगे

लक्ष्य - 8% था प्राप्ति 7.8% हुआ।

कार्य - इसमें सब्सिडी तथा कल्याण सहायता का प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण होगा।

* 90% परिवारों को बैंकिंग सुविधा से जोड़ना।
* सभी गावों को बिजली उपलब्ध कराना।

CLASS-17 30/6/2021

बेरोजगारी [Unemployment]

* "ऐसा व्यक्ति जो सक्रियता से रोजगार की तलाश करता है लेकिन उसे काम (रोजगार) नहीं मिलता है"
* "किसी व्यक्ति के पास काम करने की इच्छा, क्षमता तथा योग्यता होने के बाद भी रोजगार नहीं मिलता,,

बेरोजगारी के प्रकार :-

1) ऐच्छिक बेरोजगारी [Voluntry Unemployment] :-

ऐसी बेरोजगारी जिसे व्यक्ति प्रचलित मजदूरी दर पर काम करने के लिए तैयार नहीं होता है यह विकासित देश में पायी जाती है।

2) अनऐच्छिक बेरोजगारी [Involuntry Unemployment] :-

ऐसी बेरोजगारी जिसमें व्यक्ति प्रचलित मजदूरी दर पर काम करे तैयार होता है लेकिन उसे काम नहीं मिलता है। इसे हम खुली बेरोजगारी भी कहते है।

3) प्रच्छन्न बेरोजगारी [Disguised Unemployment] :-

इसे अदृश्य बेरोजगारी भी कहते है।

ऐसी बेरोजगारी जिसमें जरुरत से अधिक व्यक्ति किसी

काम में सामिल होते है अगर इन्हे हटा भी दिया जाये तो उत्पाद में कोई प्रभाव नहीं पड़ता /

भारत के कृषि क्षेत्र में प्रच्छन्न बेरोजगारी पायी जाती है/

4) मौसमी बेरोजगारी [Seasonal Unemployment] :- कृषि क्षेत्र में मौसमी बेरोजगारी देखने को मिलती है/
ऐसी बेरोजगारी जिसमें मौसम परिवर्तन के साथ व्यक्ति के पास काम नही है/

कृषि क्षेत्र में जब फसल की कटाई और बुवाई होती है उस समय लोगो के पास रोजगार होता है/

5) संरचनात्मक बेरोजगारी [Structural Unemployment] :-

संरचनात्मक बेरोजगारी अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन के कारण उत्पन्न होती है/

अगर औद्योगिक विकास होग तो नई तकनिक आयेगी/

*

6) चक्रीय बेरोजगारी [Cyeclic Unemployment] :- इस अर्थव्यवस्था में चक्रीय परिवर्तन होता है कभी मंदी तो कभी आर्थिक वृद्धि
जब मंदी का समय होता है तो उत्पादन में कमी होती है तब कम्पनी अपने कर्मचारियों की छटनी कर देती है/

7) घर्षणात्मक बेरोजगारी [Frictional Unemployment] :- एक व्यक्ति जब एक रोजगार को छोड़ कर दूसरे रोजगार में

जाता है तो दोनो रोजगारो के बीच की अवधि ~~को~~ में उसे बेरोजगार रहना पड़ा जिसे घर्षणात्मक बेरोजगारी कहते है।

यह अल्पकालीन होती है।

* भारत में बेरोजगारी से संबंधित आँकडे NSSO जारी करता है।

NSSO – National Sample Survey Office
राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय

CLASS-18

1/7/20..

बजट - Budget

बजट वर्ष को ही वित्तीय वर्ष कहते हैं 1 April - 31 March

वार्षिक वित्तीय विवरण
Annual financial Statement

↓

पिछले वर्ष का वार्षिक वित्तीय विवरण
Annual financial statment for last year
[1 April 2020 - 31 March 2021]
↓
आर्थिक सर्वेक्षण [Economic Survey]
↓
⇒ यह बजट के 1 दिन पहले संसद के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है

तैयार - CEA - Chief Economic Advisor
मुख्य आर्थिक सलाहकार

प्रस्तुत - वित्त मंत्री करती हैं।

यह वित्त मंत्रालय के अधीन आता है।

↓

आने वाले वित्तीय वर्ष का वित्तीय विवरण
Annual financial Statement for Advance year
[1 Apr 2021 - 31 March 2022]
↓
बजट - Budget

⇒ 31 March को प्रस्तुत होता है Economic Survey

⇒ 2020-21 का सर्वे 29 Jan को प्रस्तुत किया गया

बजट :- प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए सरकार की अनुमानित आय एवं व्यय का विवरण बजट कहलाता है।

सरकार < आय / व्यय > विवरण → बजट

Art - 112 :- वार्षिक वित्तीय विवरण [Annual financial Statement] 1 April - 31 march ⇒ Financial year.

* बजट वित्तीय मंत्री के द्वारा राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति से संसद के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।
1 Feb को हर साल बजट प्रस्तुत होता है।

बजट का इतिहास :- बजट शब्द फ्रेंच भाषा के शब्द बोगेट से आया है जिसका अर्थ होता है "चमड़े का थैला"

* भारत में सर्वप्रथम बजट, 18 Feb 1860 में वित्त मंत्री जेम्स विल्सन द्वारा प्रस्तुत किया गया।

* जेम्स विल्सन को भारती बजट प्रणाली का जनक कहा जाता है।

* स्वतंत्र भारत का प्रथम बजट 26 Nov 1947 R.V. षणमुखम चेट्टी के द्वारा प्रस्तुत किया गया

* ~~भारत~~ गणतंत्र भारत का पहला बजट 28 Feb 1950 में वित्त मंत्री जॉन मथाई द्वारा प्रस्तुत किया गया।

* प्रथम बजट महिला वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत -

इंदिरा गांधी (1970)

↓

(5) PM + FM

* निर्मला सीतारमण पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री हैं।

* वित्त मंत्री मोरारजी देसाई ने सर्वाधिक (10 बार) बजट प्रस्तुत किया।

(10 बार) → 8 बार पूर्ण बजट, 2 बार अन्तरीम बजट

* P. चिदंबरम ने (9 बार) बजट पेस किया

(9 बार) → (8) UT-B, (1) EB

बजट के अवयव [Elements of Budget]

(1) सार्वजनिक आय [Public Income

(2) सार्वजनिक व्यय [Public Expenditure]

सार्वजनिक आय :- दो प्रकार की होती है।

(1) राजस्व प्राप्ती [Revenue Receipt]

(2) पूँजीगत प्राप्ती [Capital Receipt]

सार्वजनिक व्यय :-

दो प्रकार की होती है।

(1) राजस्व व्यय [Revenue Expenditure]

(2) पूँजीगत व्यय [Capital Expenditure]

1) राजस्व प्राप्ती :-

सरकार की ऐसी प्राप्ती जिससे न तो परिसम्पत्तीयो में कमी हो और न देयता में वृद्धी हो। राजस्व प्राप्ती दो प्रकार की होती है।

(1) कर राजस्व प्राप्ती

(2) गैर कर राजस्व प्राप्ती

2) पूँजी गत प्राप्ती -

सरकार की ऐसी प्राप्ती जिससे या तो परिसम्पत्तीयों में कमी आये या देयता में वृद्धि हो।

Ex - सार्वजनिक उपक्रम के शेयर की बिक्री।

CLASS-19 2/7/2021

सार्वजनिक व्यय [Public expenditure] (खर्च) :-

1) राजस्व व्यय [Revenue Expenditure] :-

सरकार का ऐसा व्यय जिससे न तो परिसम्पत्तियों में वृद्धि हो और न ही देयता में कमी आये।

Ex. = ① सरकारी कर्मचारियों के वेतन व्यय पर खर्च (वेतन)

② ऋण पर दी गयी ब्याज

③ निःशुल्क शिक्षा, चिकित्सा

2) पूँजीगत व्यय [Capital Expenditure] :-

पूँजीगत व्यय सरकार का ऐसा व्यय जिससे या तो परिसम्पत्तियों में वृद्धि हो या देयता में कमी आये।

Ex= ① रेलवे लाइन, अस्पताल, बाँध, पार्क, रोड़ (सड़क)

② सरकार द्वारा किया गया ऋण भुगतान

वित्तीय घाटों के प्रकार :-

(1) बजट घाटा :- ~~अर्थ~~ यदि एक वित्तीय वर्ष में सरकार की कुल प्राप्तियों से कुल व्यय अधिक हो।

* बजट घाटा = कुल व्यय − कुल प्राप्तियाँ

राजस्व घाटा :- एक वित्तिय वर्ष में सरकार की कुल राजस्व प्राप्तिया अगर राजस्व व्यय से कम हो तो राजस्व घाटा कहते है।

राजस्व घाटा = राजस्व व्यय − राजस्व प्राप्तियाँ

राजकोषीय घाटा :-

राजकोषीय घाटे को एक वित्तीय वर्ष में ऋणो को छोड़ कर कुल प्राप्तीयों पर कुल व्यय के आधिक्य के रुप में परिभाषित किया जाता है।

राजकोषीय घाटा = कुल बजटीय व्यय − कुल गैर ऋण बजटीय प्राप्तियाँ

राजकोषिय घाटा = कुल व्यय − राजस्व आय + गैर ऋण पूँजीगत आय

राजकोषीय घाटा सरकार की ऋण लेने की आवश्यकता को प्रदर्शित करता है।

Tax System

कर :

कर सरकार द्वारा व्यक्ति या संस्था पर राजस्व जुटाने के लिए लगाये जाने वाला अनिवार्य शुल्क है।

Types of Tax

i) प्रत्यक्ष कर [Direct tax]

ii) अप्रत्यक्ष कर [Indirect tax]

Ex. Income Tax – आय कर
↓
प्रत्यक्ष एवं प्रगतिशील

↳ 0 → 5 लाख → Nill

5 → 7.5 लाख → 10%

7.5 → 10 लाख → 15%

10 → 12.5 लाख → 20%

12.5 → 15 लाख → 25%

15 लाख से अधिक → 30% Max

निगम कर [Corporate tax]

सम्पत्तिकर [Wealth Tax]

उपहार कर [Gift tax]

Indirect Tax [अप्रत्यक्ष कर] :- (वस्तु या सेवा पर)

1) उत्पादन बिन्दु [Production Point - उत्पाद शुल्क [Excise duty]

2) प्रवेश बिन्दु [Entry Point]
- → देश to देश (सीमा शुल्क)
- → राज्य to राज्य (केन्द्रीय बिक्रीकर)
  ↓
  (GST आने के बाद बन्द हो गया।)

3) बिक्री बिन्दु [Sale Point] - VAT - मुल्य वर्धित कर
↓
(अब नहीं लगता)

4) सेवा कर [Service tax] सेवाओं पर (अब नहीं लगता)

GST में 17 अप्रत्यक्ष करों को प्रतिस्थापित कर दिया है।